एनएसओ के आंकड़े...अर्थव्यवस्था के 5 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने का मंच तैयार

विनिर्माण और खनन क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन ने बढ़ाई जीडीपी की रफ्तार

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया के प्रमुख देशों की तुलना में सबसे तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में घरेलू जीडीपी की वृद्धि दर मजबूती के साथ 8.2 फीसदी पर पहुंच गई। इसकी प्रमुख वजह विनिर्माण, खनन और निर्माण क्षेत्र का शानदार प्रदर्शन है। मजबूत आर्थिक वृद्धि के दम पर अर्थव्यवस्था का आकार मार्च, 2024 अंत तक बढ़कर 3.5 लाख करोड़ डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। अगले कुछ वर्षों में इसके 5 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने का मंच तैयार हो चुका है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, विनिर्माण क्षेत्र में सकल मूल्यवर्धन (जीवीए) वृद्धि 2023-24 की चौथी तिमाही में बढ़कर 8.9 फीसदी पहुंच गई। एक साल पहले की समान तिमाही में यह 0.9 फीसदी रही थी। खनन खनन क्षेत्र की जीवीए वृद्धि 2.9 फीसदी से बढ़कर 4.3 फीसदी पहुंच गई। निर्माण क्षेत्र की वृद्धि भी 7.4 फीसदी से बढ़कर 8.7 फीसदी पहुंच गई। हालांकि, कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 7.6 फीसदी से घटकर 0.6 फीसदी रह गई।

3.5 लाख करोड़ डॉलर की हो गई जीडीपी मार्च, 2024 अंत तक

तीसरे कार्यकाल में भी वृद्धि जारी

जीडीपी का 2023-24 में 8.2 फीसदी की रफ्तार से बढ़ना उल्लेखनीय है। विकास की यह गति मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में भी जारी रहेगी। विनिर्माण क्षेत्र में 9.9 फीसदी की शानदार वृद्धि हुई, जो इस क्षेत्र के लिए मोदी सरकार के प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। कई उच्च आवृत्ति वाले संकेतक बताते हैं कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। **-निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री**

सालाना वृद्धि में हम सबसे आगे

देश	वृद्धि दर
भारत	8.2%
चीन	4.6%
अमेरिका	2.7%
ब्राजील	2.2%
कनाडा	1.2%
जापान	0.9%
फ्रांस	0.7%
इटली	0.7%
यूके	0.5%

अर्थव्यवस्था का आकार : 295.36 लाख करोड़

वर्तमान मूल्य पर जीडीपी का आकार 2023-24 में बढ़कर 295.36 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। यह 2022-23 के 269.50 लाख करोड़ रुपये से 9.6 फीसदी ज्यादा है। वहीं, वास्तविक जीडीपी का आकार 2022-23 के 160.71 लाख करोड़ से बढ़कर 173.82 लाख करोड़ रुपये पहुंचने का अनुमान है।

- **चौथी तिमाही में वर्तमान मूल्य पर जीडीपी का आकार 9.9 फीसदी बढ़कर 78.28 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।** वास्तविक जीडीपी 7.8 फीसदी बढ़कर 47.24 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकती है।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह : 23.36 लाख करोड़ रुपये

महालेखा नियंत्रक के आंकड़ों के मुताबिक, शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 2023-24 में 23.36 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। वहीं, सरकार का खर्च 44.42 लाख करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष में खर्च संशोधित अनुमान का 98.9 फीसदी रहा। राजस्व घाटा 2023-24 में जीडीपी का 2.6 फीसदी रहा।